

ई- पाठशाला

12th GEOGRAPHY

विश्व जनसंख्या: वितरण, घनत्व और वृद्धि



06 OCT 2026 || 05:00 PM



देश के निवासी



जॉर्ज बी. क्रेसी -

जॉर्ज बी. क्रेसी के अनुसार "एशिया में बहुत अधिक स्थानों पर कम लोग और कम स्थानों पर बहुत अधिक लोग रहते हैं।"

जनसंख्या वितरण में असमानता।

अधिक भू-भाग
कम जनसंख्या

कम भू-भाग
अधिक जनसंख्या ✓

विश्व में जनसंख्या वितरण के प्रारूप

✎ 'जनसंख्या वितरण' शब्द का अर्थ है भूपृष्ठ पर लोग किस प्रकार वितरित हैं इस बात से लगाया जाता है।

✎ विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या, स्थलभाग के 10 प्रतिशत क्षेत्र में निवास करती है।

लोग का वितरण।

क्षेत्रफल (भूपृष्ठ)

10% क्षेत्र → 90% जनसंख्या

90% क्षेत्र → 10% जनसंख्या निवास।

① चीन ② भारत

③ U.S.A
④ इंडोनेशिया

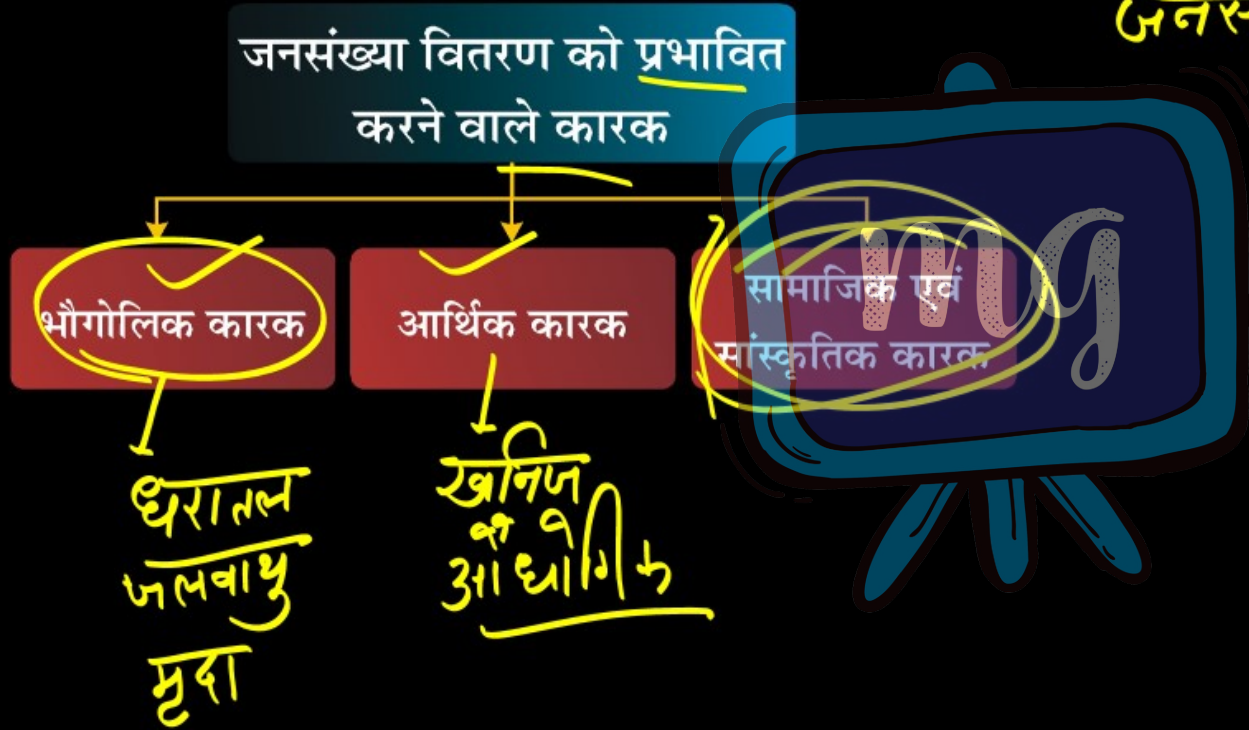
विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश

1. चीन
2. भारत
3. संयुक्त राज्य अमेरिका
4. इंडोनेशिया
5. ब्राजील
6. पाकिस्तान
7. नाइजीरिया
8. बांग्लादेश
9. रूस
10. मेक्सिको

वर्तमान

- ① भारत
- ② चीन
- ③ U.S.A
- ④ इंडोनेशिया
- ⑤ पाकिस्तान
- ⑥ नाइजीरिया
- ⑦ बांग्लादेश
- ⑧ ब्राजील
- ⑨ रूस
- ⑩ मेक्सिको

जनसंख्या वितरण को प्रभावित



भौगोलिक कारक :

भू-आकृति



पर्वत



पठार



मैदान

प्रान्त के लिए अनुकूल ।
परिवहन । कृषि । जल की सुविधा ।

❌ भौगोलिक कारक :

➡ जल की उपलब्धता जल - जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है। अतः लोग उन क्षेत्रों में बसने को प्राथमिकता देते हैं जहाँ जल आसानी से उपलब्ध होता है। जल का उपयोग पीने, नहाने और भोजन बनाने के साथ-साथ पशुओं, फसलों, उद्योगों तथा नौसंचालन में किया जाता है। यही कारण है कि नदी-घाटियाँ विश्व के सबसे सघन बसे हुए क्षेत्र हैं।



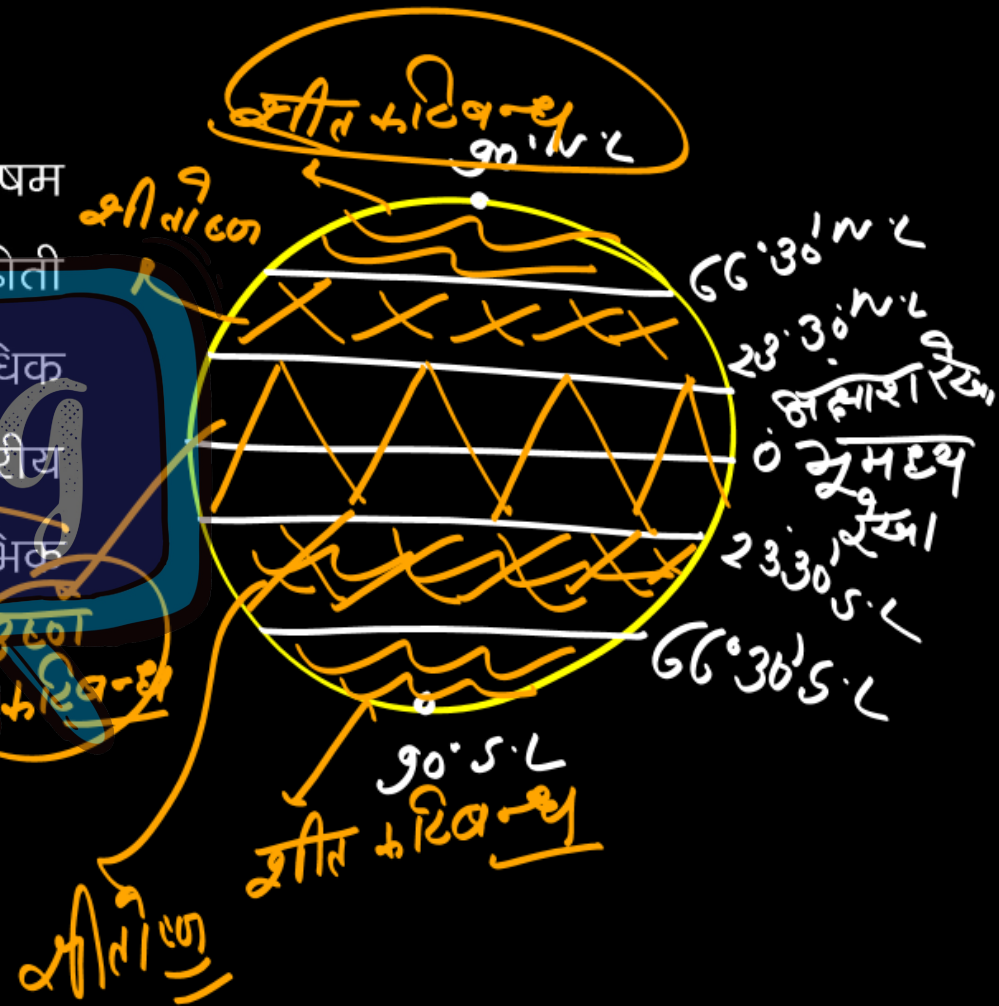
११
मैदानी

- ➔ **भू-आकृति** - लोग समतल मैदानों और मंद ढालों पर बसने को वरीयता देते हैं इसका कारण यह है कि ऐसे क्षेत्र फसलों के उत्पादन, सड़क निर्माण और उद्योगों के लिए अनुकूल होते हैं। पर्वतीय और पहाड़ी क्षेत्र परिवहन तंत्र के विकास में अवरोधक हैं इसलिए प्रारंभ में कृषिगत और औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल नहीं होते। अतः इन क्षेत्रों में कम जनसंख्या पाई जाती है। गंगा का मैदान विश्व के सर्वाधिक सघन जनसंख्या वाले क्षेत्रों में से एक है जबकि हिमालय के पर्वतीय भाग विरल जनसंख्या वाले क्षेत्र हैं।



पर्वतीय क्षेत्र → विरल जनसंख्या
मैदानी क्षेत्र → सघन जनसंख्या

- ➔ **जलवायु** - अति उष्ण अथवा ठंडे मरुस्थलों की विषम जलवायु मानव बसाव के लिए असुविधाजनक होती है। सुविधाजनक जलवायु वाले क्षेत्र जिनमें अधिक मौसमी जनसंख्या पाई जाती है। भूमध्य सागरीय प्रदेश सुखद जलवायु के कारण इतिहास के आरंभिक कालों से बसे हुए हैं।



⇒ **मृदाएँ** - उपजाऊ मृदाएँ कृषि तथा इनसे संबंधित क्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं इसलिए उपजाऊ दोमट मिट्टी वाले प्रदेशों में अधिक लोग निवास करते हैं क्योंकि ये मृदाएँ गहन कृषि का आधार बन सकती हैं। क्या आप भारत में उन क्षेत्रों के नाम बता सकते हैं जहाँ कम उपजाऊ मृदा के कारण विरल जनसंख्या पाई जाती है।



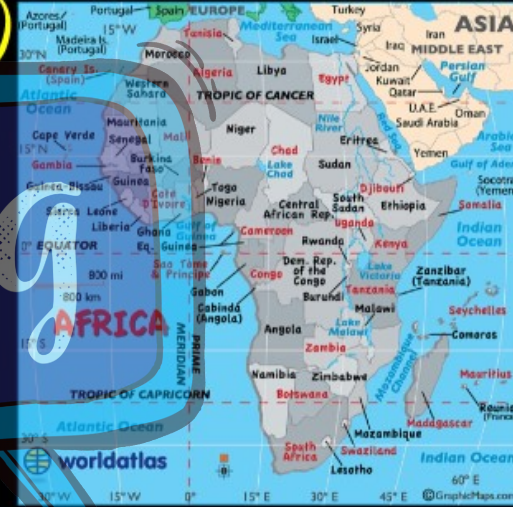
मृदाओं के प्रकार →

- ① जलोढ़ मृदा
- ② काली मृदा
- ③ लाल मृदा
- ④ बैटेराइट मृदा
- ⑤ पर्वतीय मृदा

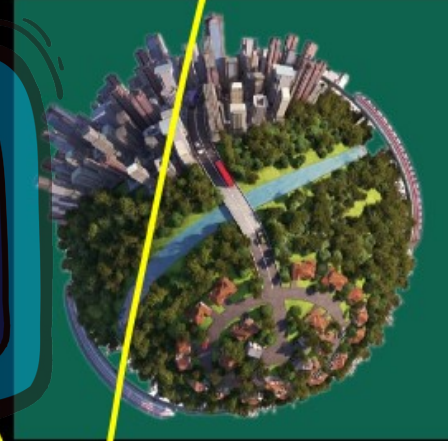
→ सबसे
उपजाऊ
मिट्टी

➤ आर्थिक कारक :

➔ खनिज - खनिज निक्षेपों से युक्त क्षेत्र उद्योगों को आकृष्ट करते हैं। खनन और औद्योगिक गतिविधियाँ रोजगार उत्पन्न करते हैं। अतः कुशल एवं अर्थ-कुशल कमी इन क्षेत्रों में पहुँचते हैं और जनसंख्या को सघन बना देते हैं। अफ्रीका को कटंगा, जांबियाँ, ताँबा पेटी इसका एक अच्छा उदाहरण है।



➔ **नगरीकरण** - नगर रोजगार के बेहतर अवसर, शैक्षणिक व चिकित्सा संबंधी सुविधाएँ तथा परिवहन और संचार के बेहतर साधन प्रस्तुत करते हैं। अच्छी नागरिक सुविधाएँ तथा नगरीय जीवन के आकर्षण लोगों को नगरों की ओर खींचते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में प्रवास होता है और नगर आकार में बढ़ जाते हैं। विश्व के विराट नगर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में प्रवासियों को निरंतर आकर्षित करते हैं।



नगर

ग्रामीण क्षेत्र
तुलना में
अधिक सुविधाएँ

शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, रोजगार

- ➔ औद्योगीकरण - औद्योगिक पेटियाँ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती हैं और बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करती हैं। इनमें केवल कारखानों के श्रमिक ही नहीं होते बल्कि परिवहन परिचालक, दुकानदार, बैंककर्मी, डॉक्टर, अध्यापक तथा अन्य सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले भी होते हैं। जापान का कोबे ओसाका प्रदेश अनेक उद्योगों की उपस्थिति के कारण सघन बसा हुआ है।



सामाजिक व सांस्कृतिक कारक :

- ➔ धर्म
- ➔ भाषा
- ➔ राजनीतिक अशांति

सामाजिक व सांस्कृतिक कारक

mg

① धर्म

② भाषा

③ राजनीतिक अशांति

1. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले

आर्थिक कारक गुप्त है-

(क) खनिज-नगरीकरण

(ख) भू आकृति-औद्योगिकीकरण

(ग) जलवायु-भू आकृति

(घ) मृदा-नगरीकरण



जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारक मौलिक है

2. विश्व में दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है -

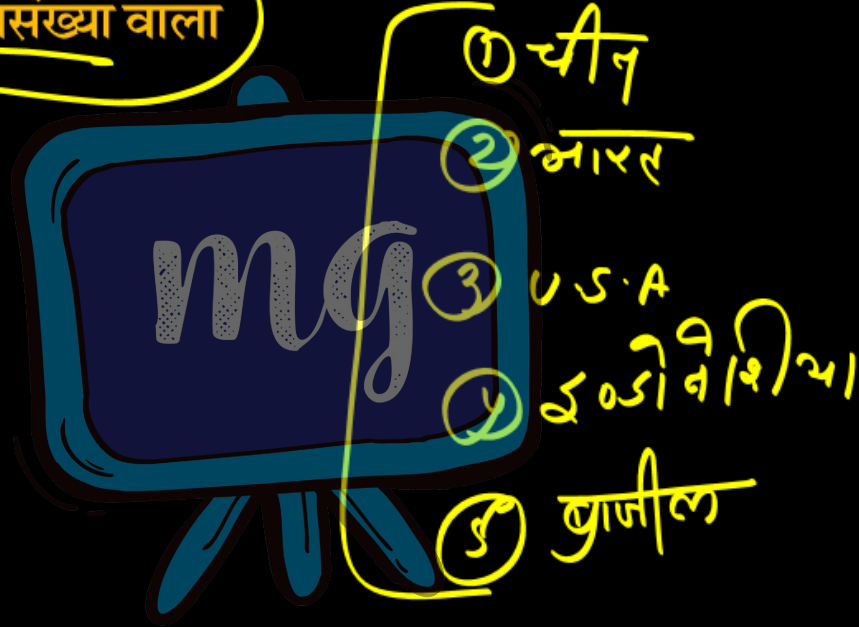
(क) चीन

(ख) भारत

(ग) संयुक्त राज्य अमेरिका

(घ) ब्राजील

(B)



3. निम्न में से कौन.सा जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाला भौगोलिक कारक है-

- (क) भू.आकृति → पर्वत, फाट, मैदान
 - (ख) जल की उपलब्धता
 - (ग) जलवायु → जलवायु
 - (घ) उपर्युक्त सभी
- ⑦
- ⑦ उष्ण कटिबंधीय जलवायु
- ⑦ शीतोष्ण जलवायु

जनसंख्या का घनत्व

➔ घनत्व का अर्थ :- लोगों की संख्या और भूमि के आकार के बीच का अनुपात।

$$\text{जनसंख्या का घनत्व} = \frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

➔ घनत्व का मापन प्रति वर्ग किलोमीटर से रहने वाले व्यक्तियों के रूप में किया जाता है।

→ लोगों की संख्या व धरातल का आकार के बीच में अनुपात

→ जो 1 km² पर निवास करने

कुल जनसंख्या जनसंख्या के अनुपात को
क्षेत्रफल जनघनत्व कहते हैं

- ❖ उदाहरण के लिए 'क' प्रदेश का क्षेत्रफल 100 वर्ग कि.मी. है और जनसंख्या 1,50,000 है।

$$\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}} = \text{घनत्व}$$

$$\frac{1,50,000}{100} = 1500 \text{ व्यक्ति / वर्ग km}^2$$

क्षेत्र	जनसंख्या (2018)	भू क्षेत्र (कि.मी. ²)	घनत्व (व्यक्ति/ कि.मी. ²)
एशिया	4,545,133,094	31,033,131	146
अफ्रीका	1,287,920,518	29,648,481	43
यूरोप	742,648,010	22,134,900	33
लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन	652,012,001	20,139,378	32
उत्तरी अमेरिका	363,844,490	18,651,660	20
ओशिनिया	41,261,212	8,486,460	5

सर्वाधिक

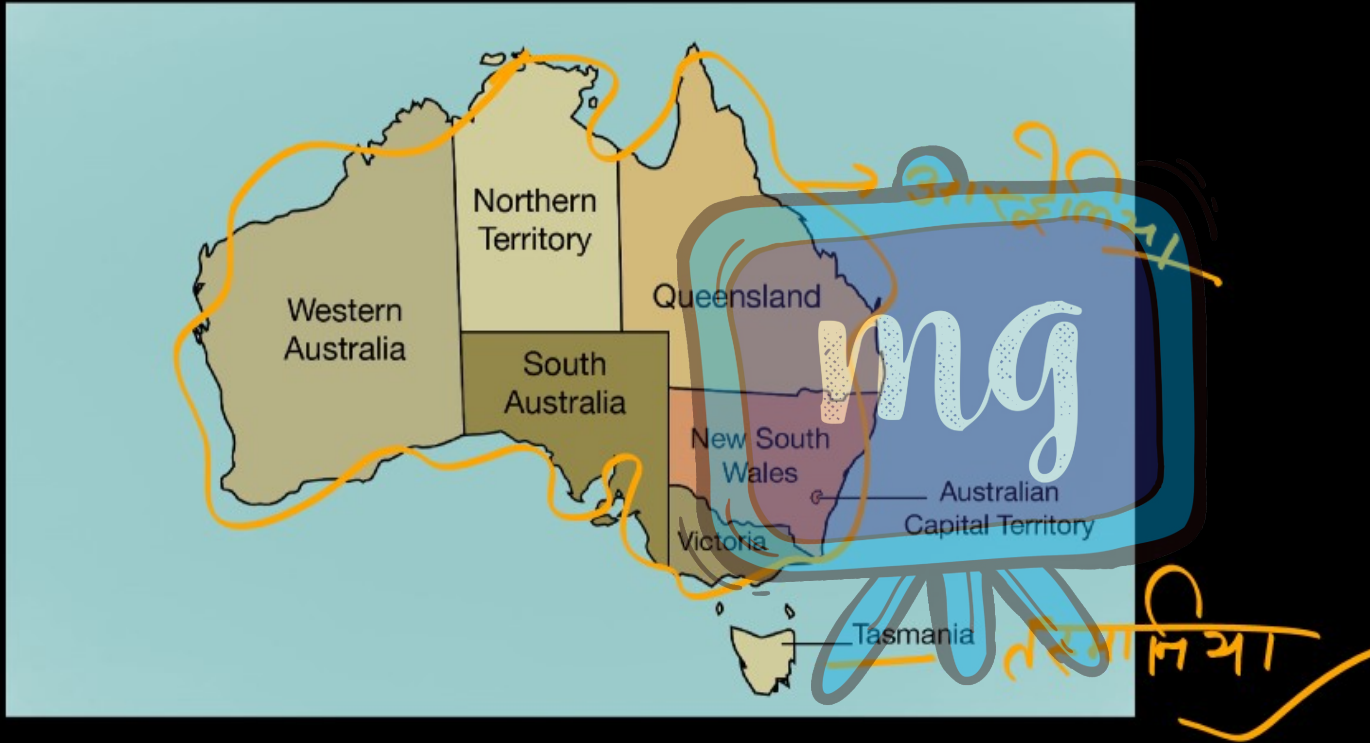
न्यूनतम



उत्तरी अमेरिका



दक्षिणी अमेरिका



ऑस्ट्रेलिया

जनसंख्या वृद्धि ✓

- ❖ जनसंख्या परिवर्तन
- ❖ किसी क्षेत्र में समय की किसी निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगों की संख्या में परिवर्तन से है।
- ❖ यह परिवर्तन धनात्मक भी हो सकता है और ऋणात्मक भी।
- ❖ इसे निरपेक्ष संख्या अथवा प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है।



रामपुरा

2020-2021

जनसंख्या → 1 लाख (2020)
॥

2021 - 1 लाख 20 हजार
↳ 90,000

→ किसी निश्चित स्थान पर निश्चित सम्भावधि में

जनसंख्या में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते हैं।

2020 → मालिकपुरा → 1 लाख

2021 → मालिकपुरा → 1 लाख 20,000 → सकारात्मक

2022 → मालिकपुरा → 4 लाख 90,000 → नकारात्मक

वृद्धि।

- ❖ जनसंख्या परिवर्तन किसी क्षेत्र की अर्थिक प्रगति, सामाजिक उत्थान, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का महत्वपूर्ण सूचक होता है।

जनसंख्या परिवर्तन → आर्थिक प्रगति

सामाजिक उत्थान

ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

जनसंख्या भूगोल की कुछ आधारभूत संकल्पनाएँ

- ❖ जनसंख्या की वृद्धि : समय के दो अंतरालों के बीच एक क्षेत्र विशेष में होने वाली जनसंख्या में परिवर्तन को जनसंख्या की वृद्धि कहा जाता है।
- ❖ उदाहरण : भारत की 2001 की जनसंख्या (102.70 करोड़) तथा 2011 की जनसंख्या (121.02 करोड़) है। जनसंख्या वृद्धि क्या होगी।
- ❖ जनसंख्या की वृद्धि दर : यह जनसंख्या में परिवर्तन है जो प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है।

जनसंख्या वृद्धि के प्रकार

- ❖ जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि : किसी क्षेत्र विशेष में दो समय अंतरालों में जन्म और मृत्यु के अंतर से बढ़ने वाली जनसंख्या को उस क्षेत्र की प्राकृतिक वृद्धि कहते हैं।

$$\text{प्राकृतिक वृद्धि} = \text{जन्म} - \text{मृत्यु}$$

$$\begin{array}{c} \downarrow \quad \downarrow \\ 0 + \quad - = \text{सकारात्मक} \\ - \quad + = \text{ऋणात्मक} \end{array}$$

2000 2005

परिवर्तन

$$\begin{array}{l} \text{जन्म (+)} - \text{मृत्यु (रु)} \\ \text{जन्म (रु)} - \text{मृत्यु (+)} \end{array}$$

❖ जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि :

वास्तविक वृद्धि =

जन्म - मृत्यु + आप्रवास - उत्प्रवास

❖ जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि : यह तब होती है

जब दो समय अंतरालों के बीच जन्म दर, मृत्यु

दर से अधिक हो या जब अन्य देशों से लोग

स्थायी रूप से उस देश में प्रवास कर जाएँ।

प्राकृतिक वृद्धि

वास्तविक वृद्धि =

जन्म - मृत्यु + आप्रवास - उत्प्रवास

मलिकपुरा

उत्प्रवास

जयपुर

आप्रवास

❖ जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि :

यदि दो समय अंतराल के बीच जनसंख्या कम हो जाए तो उसे जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि कहते हैं। यह तब होती है जब जन्म दर मृत्यु दर से कम हो जाए अथवा लोग अन्य देशों में प्रवास कर जाएँ।

2000 → 1 लाख

2005 → 90,000

॥

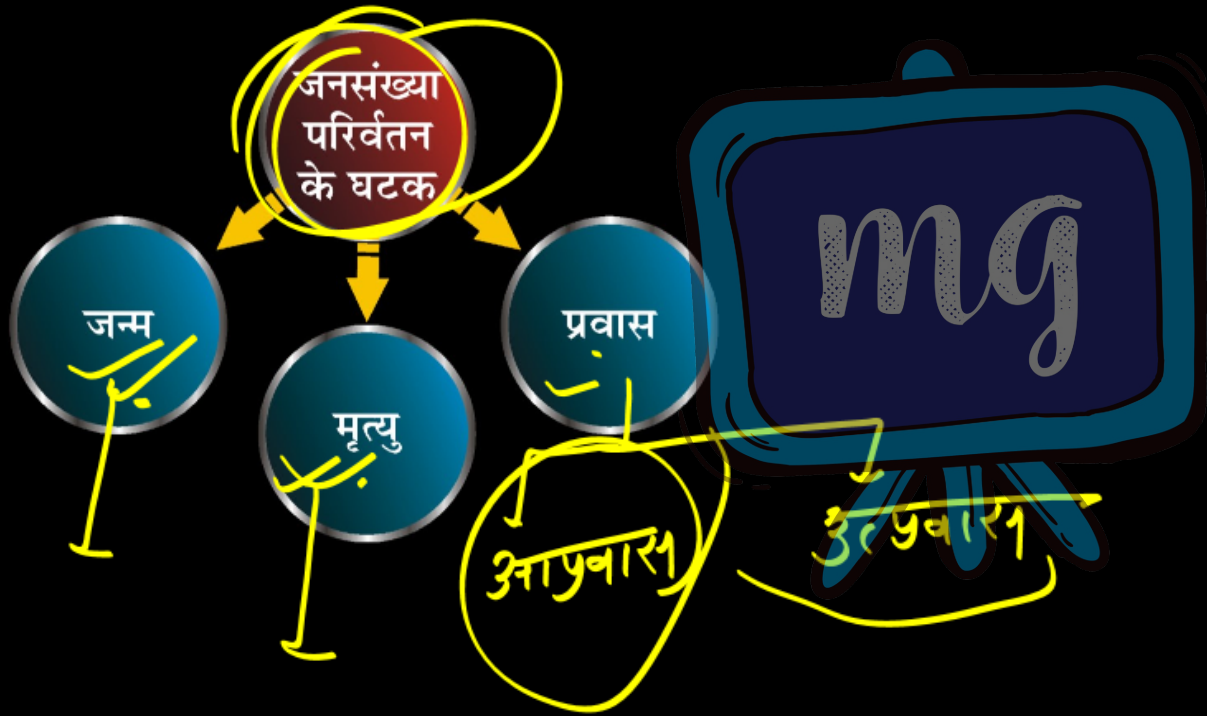
ऋणात्मक

जन्म दर - मृत्यु दर (-)

आप्रवास - उत्प्रवास
(-) (-)

1. सन् 2001 में छगनपुर की जनसंख्या 80,000 थी।
2002 में छगनपुर की जनसंख्या 1,00,000 हो गयी
तो छगनपुर की जनसंख्या वृद्धि दर क्या होगी।





अशोधित जन्म दर

- ❖ अशोधित जन्म दर को प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिए जीवित बच्चों के रूप में व्यक्त किया जाता है।

$$\text{अशोधित जन्म दर} = \frac{\text{किसी वर्ष विशेष में जीवित जन्म}}{\text{किसी क्षेत्र विशेष में वर्ष के मध्य जनसंख्या}} \times 1000$$

2. किसी शहर की वर्ष 2020 की जनसंख्या 2,10,000 थी। यदि उस वर्ष में कुल 4200 बच्चों का जन्म हुआ तो वर्ष 2020 की जन्म दर ज्ञात करो।

$$\frac{4200}{210000} \times 1000$$

$$20\%$$

$$\frac{420}{210} = 20\%$$

20% जन्म

अशोधित मृत्यु दर

- ❖ अशोधित मृत्यु दर किसी क्षेत्र में मृत्यु दर को मापने की एक सरल विधि है। अशोधित मृत्यु दर को किसी क्षेत्र विशेष में किसी वर्ष के दौरान प्रति हजार जनसंख्या के पीछे मृतकों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।

$$\text{अशोधित मृत्यु दर} = \frac{\text{किसी वर्ष विशेष में मृतकों की संख्या}}{\text{उस वर्ष के मध्य में जनसंख्या}} \times 1000$$

3. किसी शहर की वर्ष 2018 की जनसंख्या 2,10,000 थी। यदि उस वर्ष में कुल 4200 व्यक्तियों की मृत्यु हुई तो वर्ष 2018 की मृत्यु दर ज्ञात करो।

$$\frac{4200}{2,10,000} \times 1000$$

प्रवास

- ❖ जब लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं तो वह स्थान जहाँ से लोग गमन करते हैं उद्गम स्थान कहलाता है और जिस स्थान में आगमन करते हैं वह गंतव्य स्थान कहलाता है।
- ❖ उद्गम स्थान जनसंख्या में कमी को दर्शाता है जबकि गंतव्य स्थान पर जनसंख्या बढ़ जाती है।

गौँव

उद्गम स्थान

नगर

गंतव्य स्थान

प्रवास के प्रकार

- ❖ स्थायी प्रवास ✓
- ❖ अस्थायी प्रवास या मौसमी प्रवास
- ❖ गाँव से गाँव प्रवास
- ❖ गाँव से नगर प्रवास
- ❖ नगर से नगर प्रवास
- ❖ नगर से गाँव प्रवास



अनजानि या →

शीत ऋतु → मैदानी
क्षेत्रों

ग्रीष्म ऋतु → पर्वतीय

❖ क्या आप महसूस करते हैं कि एक ही व्यक्ति दोनों एक आप्रवासी और एक उत्प्रवासी हो सकता है?

❖ आप्रवास - प्रवासी जो किसी नए स्थान पर जाते हैं, आप्रवासी कहलाते हैं।

❖ उत्प्रवास - प्रवासी जो एक स्थान से बाहर चले जाते हैं, उत्प्रवासी कहलाते हैं।

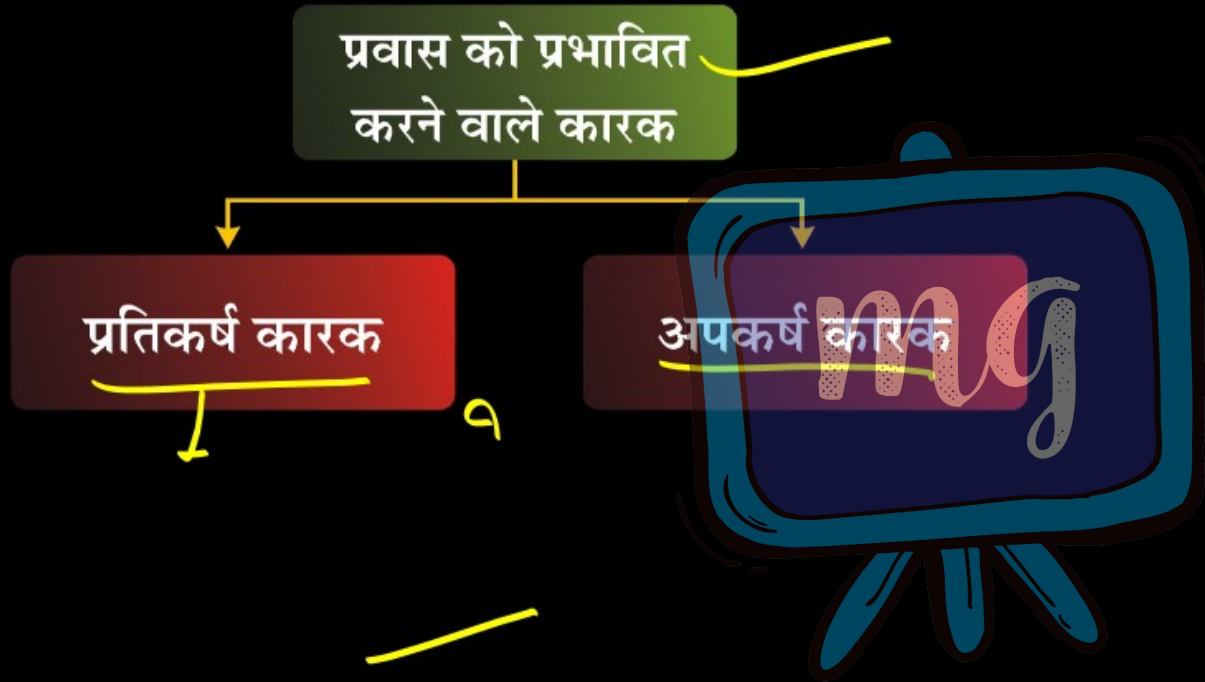


गाँव

नगर

उत्प्रवासी

आप्रवासी



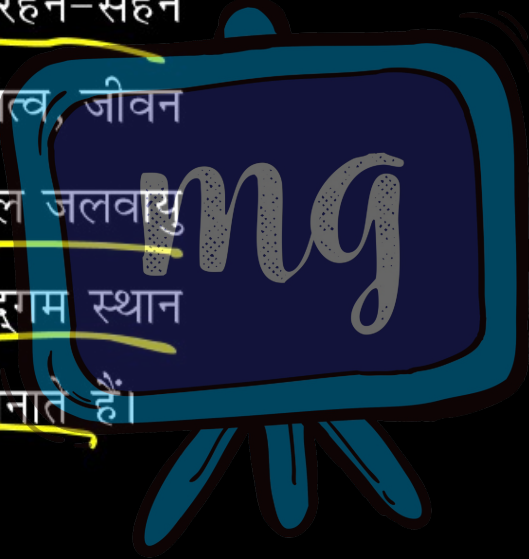
प्रतिकर्ष कारक

- ❖ बेरोज़गारी, रहन-सहन की निम्न दशाएँ,
राजनीतिक अशांति, प्रतिकूल जलवायु,
प्राकृतिक विपदाएँ, महामारियाँ तथा
सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन जैसे कारण
उद्गम स्थान को कम आकर्षित बनाते हैं।



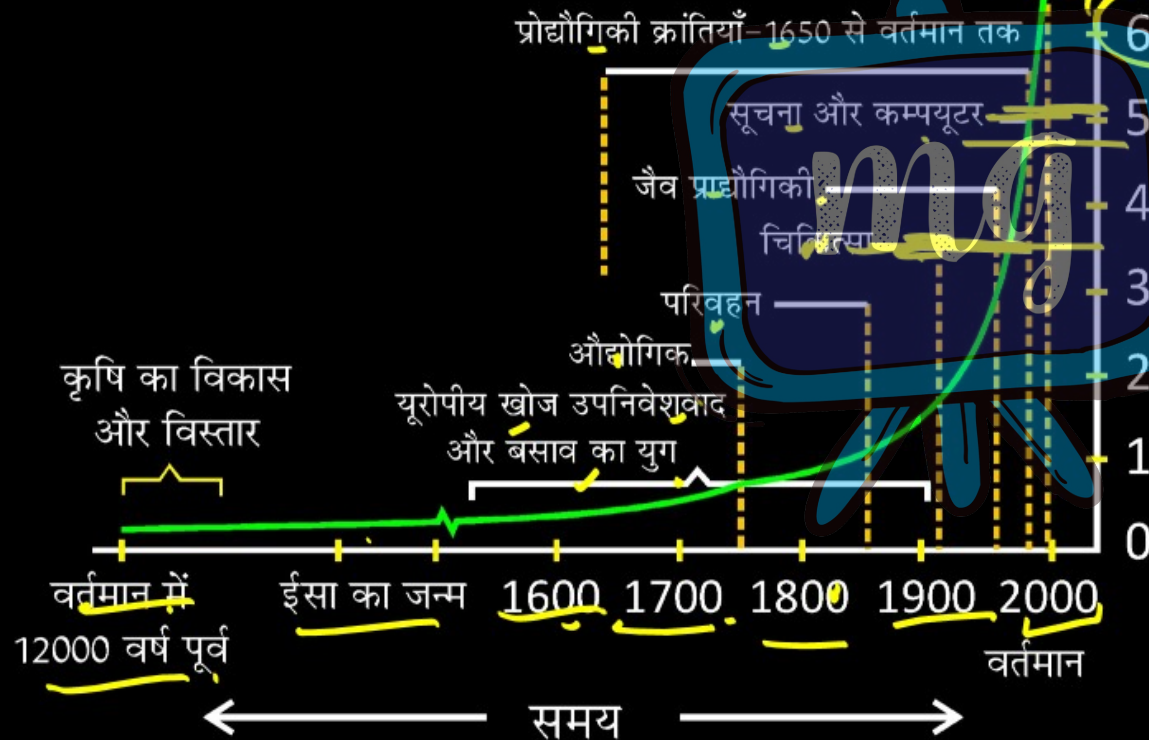
अपकर्ष कारक

- ❖ काम के बेहतर अवसर और रहन-सहन
की अच्छी दशाएँ, शांति व स्थायित्व, जीवन
व संपत्ति की सुरक्षा तथा अनुकूल जलवायु
जैसे कारण गंतव्य स्थान को उद्गम स्थान
की अपेक्षा अधिक आकर्षक बनाते हैं।

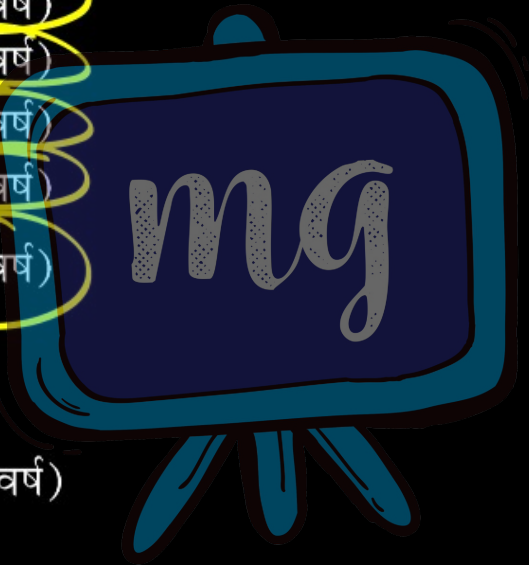
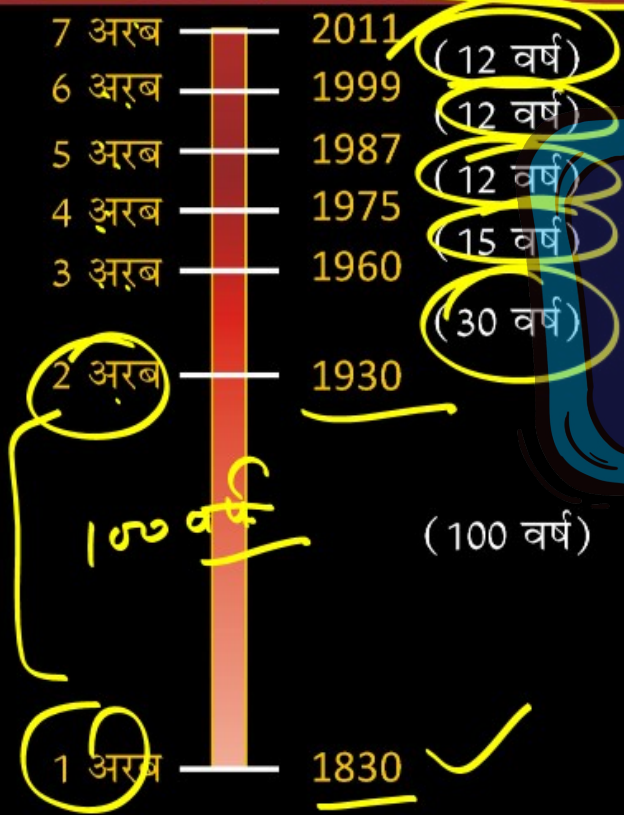


जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्तियाँ

विश्व जनसंख्या
अरबों में



विश्व जनसंख्या के दो गुना होने की अवधि



विश्व जनसंख्या के दो गुना होने की अवधि

काल	जनसंख्या	अवधि जिसमें जनसंख्या दो गुना हुई
10, 000 ई० पू०	50 लाख	
1650 ई०	50 करोड़	1500 वर्ष
1804 ई०	100 करोड़	154 वर्ष
1927 ई०	200 करोड़	123 वर्ष
1974 ई०	400 करोड़	47 वर्ष
2025 ई०	800 करोड़ प्रक्षेपित संख्या	51 वर्ष

क्या आप जानते हैं ?

- ✍ विगत 500 वर्षों में मानव जनसंख्या 10 गुना से अधिक बढ़ी है।
- ✍ अकेले 20 वीं शताब्दी में जनसंख्या 4 गुना बढ़ी है।
- ✍ प्रतिवर्ष लगभग 8 करोड़ लोग पहले की जनसंख्या में जुड़ जाते हैं।



जनसंख्या परिवर्तन के स्थानिक प्रारूप

प्रदेश	वृद्धि दर	
	1990-95	2010-15 (अनुमानित)
<u>विश्व</u>	1.6	1.2
<u>अफ्रीका</u>	2.4	2.6
<u>यूरोप</u>	0.2	0.1
<u>उत्तर अमेरिका</u>	1.4	0.8
<u>लैटिन अमेरिका, कैरेबियन</u>	1.7	1.1
<u>एशिया</u>	1.6	1.0
<u>ओशनिया (आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और फिजी)</u>	1.5	1.5

विश्व की औसत - 1.2%

सर्वाधिक → 2.6%



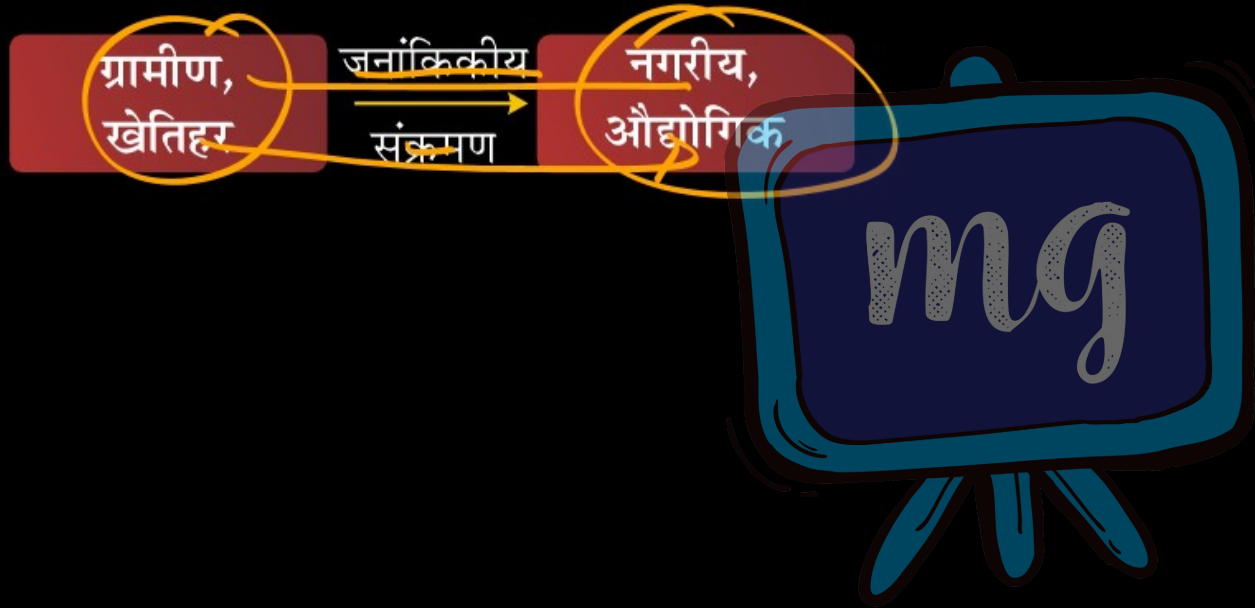
जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त

- ❖ प्रतिपादक - डब्ल्यू. एम. थॉम्पसन (1929)
एवं नोटेंस्टीन (1945)
- ❖ जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त का उपयोग
किसी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा
भविष्य की जनसंख्या के पूर्वानुमान के
लिए किया जाता है।

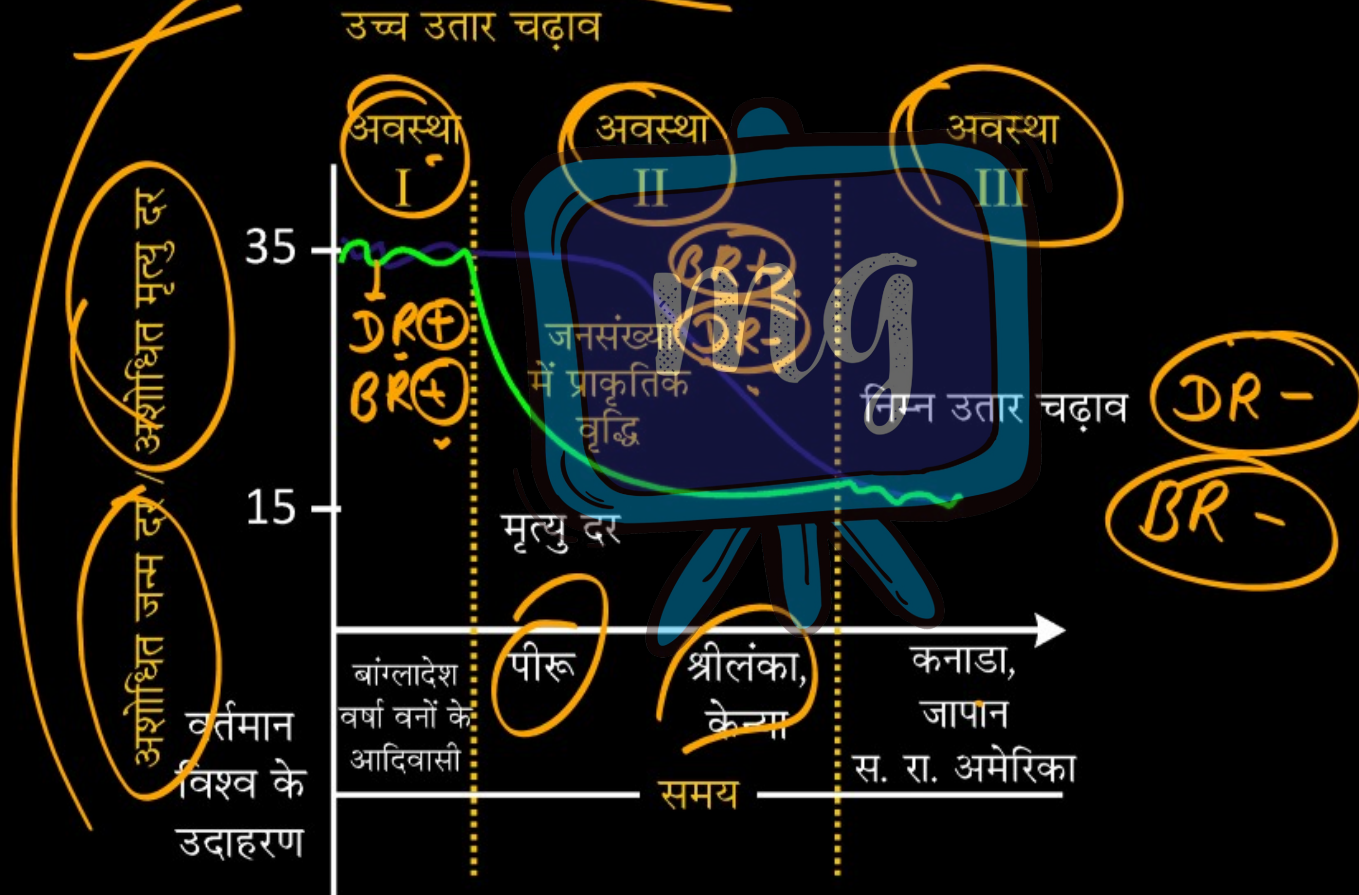
जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त

उत्पादक → W.M. Thompson

- ❖ इस सिद्धान्त के अनुसार समाज ग्रामीण, खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय औद्योगिक और साक्षर बनता है तो किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म व निम्न मृत्यु में परिवर्तित होती है। ये परिवर्तन अवस्थाओं में होते हैं जिन्हें सामूहिक रूप से जनांकिकीय चक्र के रूप में जाना जाता है।



जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत की अवस्थाएँ



BR+ DR+

प्रथम अवस्था

- ❖ इस अवस्था में उच्च प्रजननशीलता और उच्च मृत्युता अर्थात् उच्च जन्म-दर और उच्च मृत्यु-दर होती है; क्योंकि लोग महामारियों और भोजन की अनिश्चित आपूर्ति होने के कारण।
- ❖ इसमें जीवन प्रत्याशा निम्न, प्रौद्योगिकी का निम्न स्तर तथा अशिक्षित जनसंख्या रहती है है।
- ❖ इस अवस्था में लोग कृषि के कार्य में लगे रहते हैं।

B जन्म दर (+)
मृत्यु दर (+)

कृषि कार्य

द्वितीय अवस्था

- ❖ इस अवस्था के प्रारंभ में उच्च प्रजननशीलता अर्थात् जन्म-दर ऊँची लेकिन समय के अनुसार घटती जाती है।
- ❖ स्वास्थ्य सम्बन्धी दशाओं व स्वच्छता में सुधार के कारण मृत्यु-दर में कमी आती है।
- ❖ इस अन्तर के कारण जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि होती है।

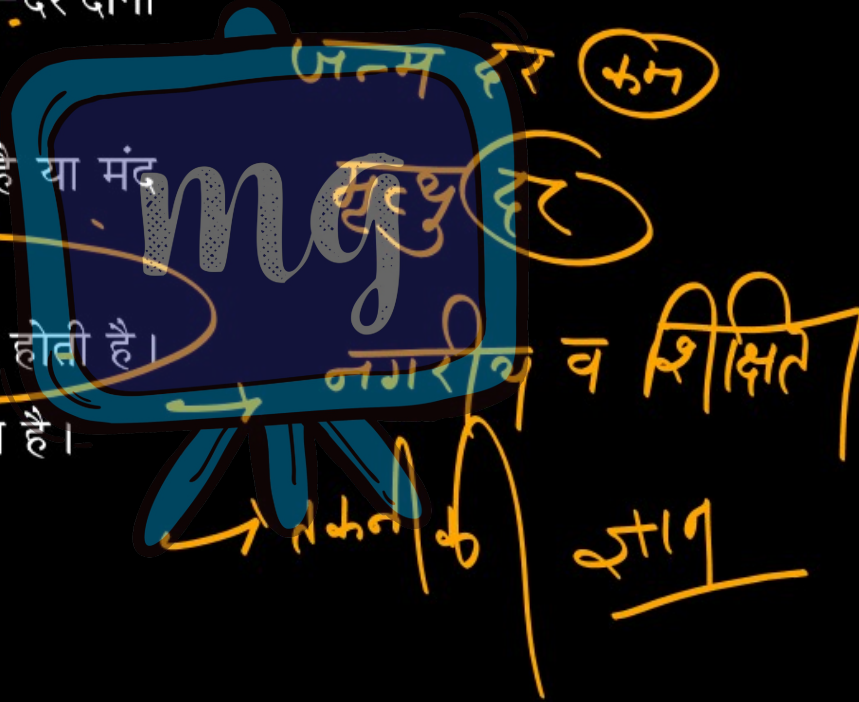
जन्म दर (+)

मृत्यु दर (-)

→ जनसंख्या विस्फोट

तृतीय अवस्था

- ❖ इस अवस्था में जन्म-दर और मृत्यु-दर दोनों ही घट जाती है।
- ❖ जनसंख्या या तो स्थिर हो जाती है या मंद गति से बढ़ती है।
- ❖ इसमें जनसंख्या नगरीय व शिक्षित होती है।
- ❖ इसमें तकनीकी ज्ञान भी उच्च होता है।





थॉमस माल्थस

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

- ❖ परिवार नियोजन की सुविधाएँ
- ❖ थॉमस माल्थस के सिद्धान्त के अनुसार लोगों की संख्या खाद्य आपूर्ति की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ती है।
- ❖ जनसंख्या वृद्धि का परिणाम अकाल, बीमारी तथा युद्ध।

